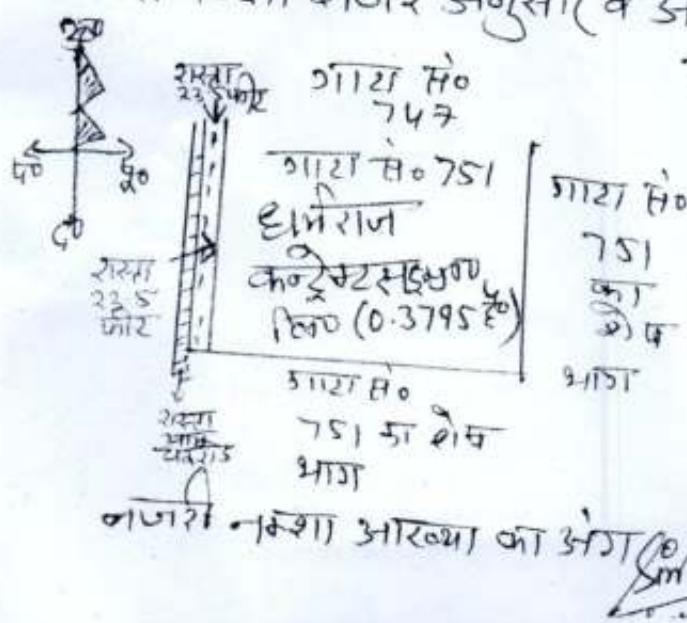


श्रीमान जी,

संलग्न प्राचीन पत्र का संग्रह सिंह ५० सिंगराज
सिंह नं ०-१५२ Sec-५१ नोट्डा की ओर आख्या आपके
ओं श्रीमान जी के लिए इसका अद्वितीय है।

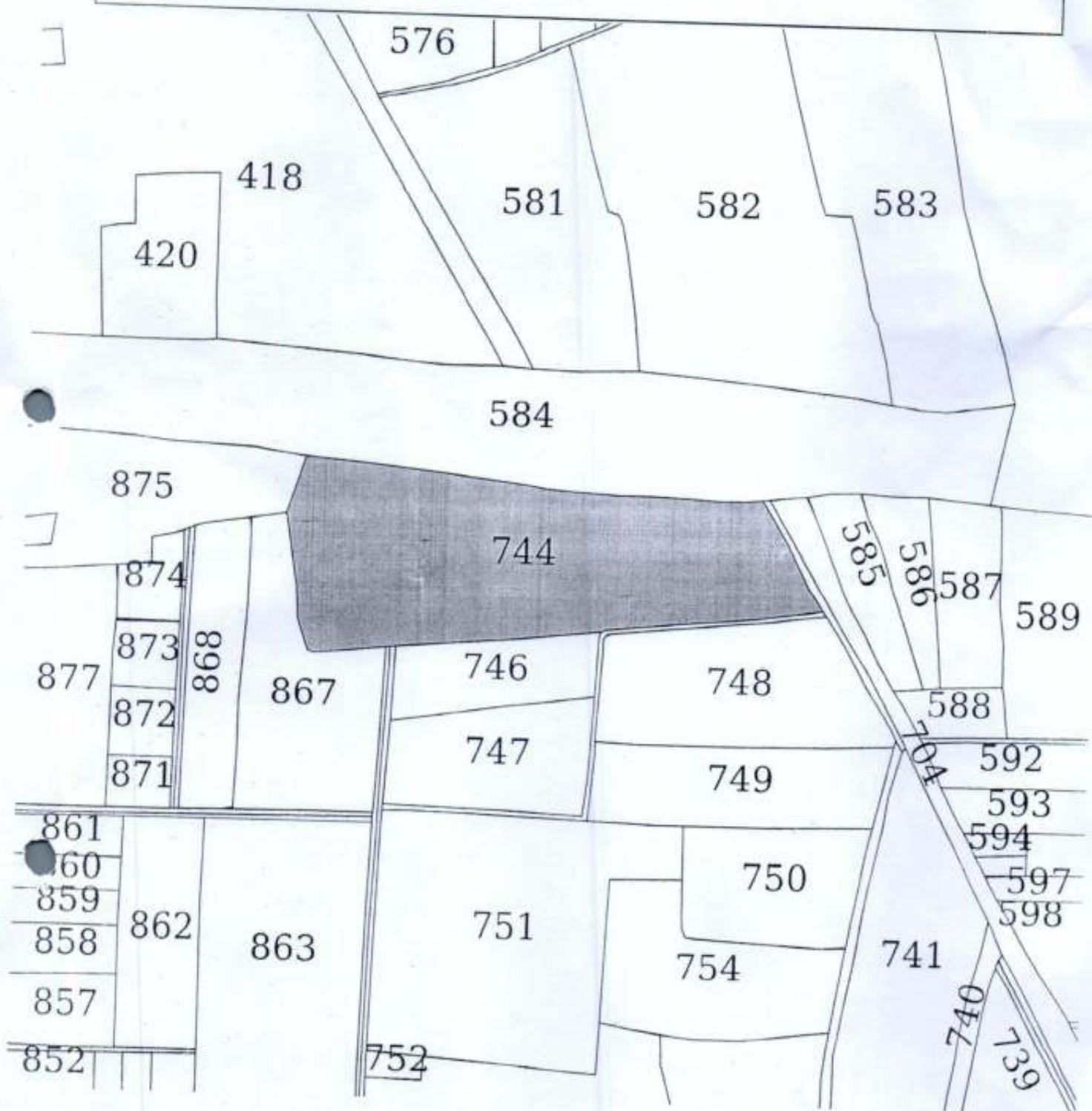
उपरोक्त विषयक अवगत कराना है कि उपरोक्त उक्त ग्रन्थ
की अभिलेखीय रूप स्थालीय जोर की गई शुभा स्थित
ग्रन्थ द्वितीय लिपि की ५० वर्ष १४२४-१४२९ के खाल सं० १५४
ग्रन्थ सं० ७५। इकाई ०। ४२९० रुपये में से ०.३७९५ रुपये द्वितीय
कंट्रोचर्स की दृष्टि ५० लिपि द्वारा द्वितीय लिपि द्वारा पुनः द्वी
रधुकर सिंह निः प्राप्तिक लाजा और घोर पाठ संकेत द्वारा
की मध्यर विद्वार संकेत निः द्वितीय-७। घोर संकेतमयीय
शुभेधर मालिक का छिप दूर्लभ बोगजात है। संलग्न
विद्वप्तांकुर उपरोक्त विभिन्न शुभा की चतुर द्वितीय
निम्नलिखित है। विभिन्न शुभा २ विद्वप्तों से क्या की गई है।
पूर्व- लाट अव्य परिचय - राहता २३.५ रुपये
उत्तर- रवसरा सं० ७५७ द्वितीय - लाट अव्य
नेजरीनम्भा शजरे अनुसार क अन्प लाटों के प्राप्तार पर



आख्या लेवा में निपानुलार
कामीवाई हेतु उक्तु उक्तु है।
द्वितीय लिपि द्वारा
द्वितीय लिपि - द्वितीय

५५२१ रुपये

शजरा



राक्षम अधिकारी के हसाहार
व पदमुद्रा

१. यह प्रति यात्र जानकारी के लिए है। २. इसका न्यायालय में साक्ष्य के रूप में उपयोग नहीं किया जा सकता है। ३. भू-नक्शा की प्रमाणित प्रति के लिए कृपया जनपटीय अभिलेखागार से सम्पर्क करें।